

सेना प्रमुख ने सशस्त्र बलों के एकीकरण की वकालत की

भारत के कई राज्यों में मानसूनी बारिश के बाद बाढ़ का सितम

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सशस्त्र बलों के एकीकरण की खुलकर वकालत की है और कहा है कि युद्ध के दौरान अगर हमें सभी एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय करना है तो आज नहीं तो कल ये काम करना ही होगा।

मॉनेकशा सेंटर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर जनरल द्विवेदी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमें बस ये देखना है कि इसमें कितना वक्त लगता है और इसे कैसे बेहतर ढंग से किया जा सकता है। गौरतलब है कि थियेटराइजेशन पर अलग-अलग विचारों के उभरने से इस योजना पर एकराय नहीं बन पा रही थी। सेना प्रमुख के बयान के बाद हर तरह के संशय पर विराम लग सकेगा।

जनरल द्विवेदी ने ये भी बताया कि थियेटराइजेशन क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा

कि जब भी हम युद्ध में होते हैं, तो केवल थल सेना ही नहीं लड़ रही होती है। हमारे पास सीमा सुरक्षा बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस भी होती है।

तीनों सशस्त्र बल, डिफेंस साइबर एजेंसियां और डिफेंस स्पेस एजेंसियां भी काम करती हैं। इसके अलावा हमारे साथ युद्ध में इसरो, सिविल डिफेंस, रेलवे, एनसीसी, राज्य और केंद्रीय प्रशासन भी शामिल होते हैं।

अन्य दो सशस्त्र बलों के प्रमुखों की तरफ से थियेटराइजेशन पर नजरिये के दो हफ्ते बाद सेना प्रमुख का बयान आया है। महू के आर्मी कालेज में अगस्त महीने में आयोजित दो दिवसीय रण संवाद सेमिनार में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने थियेटराइजेशन पर विचार रखे थे और स्पष्ट किया था कि इस योजना को

लेकर दोनों बलों के विचार भिन्न हैं।

थल सेना प्रमुख ने कहा था कि थियेटर कमांड को आगे बढ़ाने के क्रम में सशस्त्र बलों को किसी दबाव में नहीं आना चाहिए। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा था कि तीनों सेनाओं के बीच थियेटर कमांड स्थापित किए जाने को लेकर जो मतभेद हैं उन्हें देश हित में सर्वश्रेष्ठ तरीके से सुलझाया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर में 72 हजार एनसीसी योद्धाओं ने किया सहयोग जनरल द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिकों द्वारा निभाई गई अहम भूमिका का विशेष उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 72000 एनसीसी कैडेट योद्धाओं ने स्वयंसेवक के तौर पर सिविल डिफेंस के लिए काम किया और सपोर्ट सिस्टम बनने में सबसे आगे रहे।

साइबर ठगों ने 12 लाख का आनलाइन सामान मंगा लिया

सुधीर कश्यप, मेरठ। रबर कारोबारी से साइबर ठगों ने सिविल डिफेंस का अधिकारी बनकर 12 लाख रुपये का आनलाइन सामान मंगा लिया। काफी समय तक रुपया नहीं आया तो उसने जानकारी की। पता चला न तो कोई सिविल डिफेंस अधिकारी ने आर्डर दिया

रबर कारोबारी ने थाना साइबर क्राइम पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है रेलवे रोड के जैननगर निवासी संदीप जैन पुत्र

कीमती लाल जैन ने बताया, उनकी सुभाष रबर वर्क्स नाम से फर्म है। उन्होंने बताया उनके पास एक फोन आया।

कालर न खुद को सिविल डिफेंस का अधिकारी बताते हुए उनसे 12.70 लाख रुपये का सामान आर्डर किया। उसका भुगतान डिलीवरी के बाद देने को कहा। उन्होंने सामान भेज दिया। काफी समय तक जब पेमेंट नहीं आई तो उन्होंने जानकारी की। इसके बाद पता चला उनके

साथ साइबर ठगों ने खेल कर दिया है। साइबर थाना पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

इंचौली के गांव जलालपुर निवासी अपिन ने बताया, उनका खाता एचडीएफसी बैंक में है। इस पर सीडीडीसी वालेट सुविधा है। 27 अगस्त को उनके खाते के वालेट से 80 हजार रुपये कट गए। उसने न तो किसी को ओटीपी नंबर बताया न ही किसी फोन या लिंक को आन किया।

डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए अपना दोस्त और एक महान प्रधानमंत्री कहा

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें अपना दोस्त और एक महान प्रधानमंत्री कहा था। ट्रंप के इस बयान पर पीएम मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी और अमेरिकी राष्ट्रपति को धन्यवाद कहते हुए भारत-अमेरिका को वैश्विक साझेदार बताया है।

पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में कहा कि वे ट्रंप की भावनाओं और संबंधों के सकारात्मक आकलन की गहराई से सराहना करते हैं और पूरी तरह से प्रत्युत्तर देते हैं। उन्होंने लिखा कि भारत और अमेरिका के बीच एक सकारात्मक और भविष्य उन्मुख व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदार है।

जब से ट्रंप प्रशासन ने भारत पर टैरिफ लगाया है तभी से भारत ने बेहद संतुलित और परिपक्व रुख अपनाया है। ट्रंप के विवादित और कभी-कभी कठोर बयानों पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी, बल्कि मौन और तर्क के आधार पर अपनी

स्थिति स्पष्ट की।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी संवेदनशीलता और संयम दिखाते हुए बयान दिए, जो तथ्यात्मक और शांतिपूर्ण रहे। भारत का रुख यह रहा कि अमेरिका के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी अहम है, लेकिन अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखना भी उतना जरूरी है।

वैश्विक परिदृश्य में भारत चीन और अमेरिका दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ जुड़कर क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाए, जबकि अमेरिका भारत को मजबूत साझेदार के रूप में देखता है।

हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री और अमेरिकी दूतावास ने सितंबर महीने को भारत-अमेरिका के संबंधों को और बेहतर बनाने का महीना घोषित किया और लोगों से इस पहल में समर्थन का आह्वान किया। यह कदम दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने और सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश के रूप में देखा गया।

विशेषज्ञ रविंद्र सचदेवा कामानना है कि ट्रंप के शुरुआती बयान भावनात्मक होते हैं, लेकिन बाद में वे पुनर्विचार करते हैं। उन्होंने कहा कि एससीओ समिट में भारत, चीन और रूस के नेताओं की एक साथ मौजूदगी और परेड प्रदर्शन ने शायद ट्रंप को महसूस कराया कि भारत रूस और चीन के करीब जा रहा है।

इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में भारत और रूस को खो देने जैसी टिप्पणी की थी। लेकिन बाद में उन्होंने माना कि भारत को पूरी तरह खोया नहीं गया है। पीएम मोदी का सकारात्मक जवाब यह दर्शाता है कि भारत रिश्तों में स्थिरता और भविष्य की दिशा को लेकर गंभीर है।

पश्चिम एशिया रणनीतिकार वाइल अव्वाद ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-अमेरिका संबंधों की प्रशंसा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया को एक सकारात्मक बयान करार दिया, साथ ही पिछले नीतिगत निर्णयों के मद्देनजर सतर्क आशावाद की आवश्यकता पर भी बल दिया।

भारत के कई राज्यों में मानसूनी

बारिश के बाद बाढ़ का सितम

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई राज्यों में मानसूनी बारिश के बाद बाढ़ का सितम देखने को मिल रहा है। पंजाब बाढ़ से बुरी तरीके से प्रभावित है। हिमाचल, उत्तराखंड और राजस्थान में भी बाढ़ से हालात बेहद खराब है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, बिहार जैसे राज्य इन दिनों इंद्र देव के प्रकोप को झेल रहे हैं। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस बीच बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है।

पंजाब इस समय बाढ़ के कारण बुरी तरीके से प्रभावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करेंगे। जानकारी के अनुसार, इस आपदा में मृतकों की संख्या 46 हो गई है।

वहीं. 1.75 लाख हेक्टेयर से अधिक खड़ी फसल पूरी तरीके से बर्बाद हो गई है। बताया जा रहा है कि पंजाब में 23 जिलों के 1,996 गांव बाढ़ के पानी में पूरी तरह से डूब गए हैं। राहत और बचाव कार्य काफी दिनों से चल रहा है।

इस बीच आईएमडी ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आज के लिए बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, हिमाचल और उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में बारिश से राहत रहेगी।

राजस्थान में भारी बारिश की चेतावनी आईएमडी ने बताया कि 7 सितंबर को गुजरात, पूर्वी राजस्थान और दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में भारी वर्षा होने की संभावना है।

यूपी स्टेट निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए इस बार राजस्थान जाना पड़ा

सुधीर कश्यप, मेरठ। प्रदेश स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अब तक तो प्रदेशभर के निशानेबाजों को नोएडा या दिल्ली तक ही आना पड़ता था, लेकिन इस बार तो राजस्थान के जयपुर तक जाना पड़ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के तहत मेरठ और वाराणसी में दो अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली शूटिंग रेंज बनवाई तो जा रही हैं, लेकिन इनके निर्माण कार्य पहले ही दो वर्ष पीछे चल रहे हैं।

प्रदेश में एक भी स्थान ऐसा नहीं है, जहां निशानेबाजी की 10 मीटर एयर पिस्टल व

एयर राइफल, 25 व 50 मीटर की स्पर्धाओं के साथ ही ट्रैप व डबल ट्रैप की प्रतियोगिताएं एक साथ हो सकें। इस बार 48वीं यूपी स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन 30 अगस्त से सात सितंबर तक जयपुर स्थित जगतपुरा शूटिंग रेंज में हुआ। यहां प्रतिभाग करने गए निशानेबाजों को प्रदेशीय प्रतियोगिता में इतनी दूर हिस्सा लेने जाना पड़ा।

यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन की ओर से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए कोई रेंज नहीं मिली।

लखटकिया/एक लाख की कीमत वाली चार पहिया कार लॉन्च होगी

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। कोलकाता। हुगली जिले के सिंगुर से सुगंधा की दूरी 17 किलोमीटर है। 2008 और 2025 के बीच 17 साल का अंतर है, संयोग ही है। लेकिन 17 साल बाद, शनिवार को 17 किलोमीटर की दूरी पर एक नई घोषणा हुई कि हुगली जिले से लखटकिया यानी एक लाख की कीमत वाली चार पहिया कार लॉन्च किया जाएगा। साइनोस्योर नामक एक कंपनी की ओर यह घोषणा की गई है।

इस कंपनी द्वारा बनाया गया इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर शनिवार को बाजार में आया है। उसी मंच से घोषणा हुई कि इसके बाद चार पहिया वाहन सड़कों पर उतरने वाला है। दिवाली के बाद, किसी दिन नई कार का प्रोटोटाइप लांच होगा। उसके बाद, जनवरी 2026 में नई कार उतरेगी। शनिवार के कार्यक्रम में राज्य के दो मंत्री

जावेद अहमद खान और उज्ज्वल विश्वास मौजूद थे। पूर्व राज्यसभा सांसद और तृणमूल नेता कुणाल घोष भी मौजूद थे।

शनिवार को तिपहिया वाहन के उद्घाटन के दिन, कुणाल ने कार्यक्रम के मंच पर सवाल उठाया कि चौपहिया वाहन का क्या हुआ? इसके बाद, कंपनी ने घोषणा की कि चौपहिया वाहन का %प्रोटोटाइप लॉन्च दिवाली के बाद होगा। कार नए वर्ष की शुरुआत में सड़क पर उतारी जाएगी।

एक लाख से भी कम होगी कार कीमत कंपनी के प्रमुख संपूर्ण घोष ने शनिवार को कहा कि उनकी कंपनी की कार एक लाख रुपये से भी कम कीमत में बाजार में उतारी जाएगी। यह बिजली से चलेगी।

17 साल पहले, 80 प्रतिशत काम पूरा होने के बाद, राजनीतिक अशांति के कारण टाटा समूह ने सिंगुर से अपनी कार परियोजना समेट ली थी।



युवाओं-श्रमिकों के लिए विदेश में सपनों की उड़ान आसान

नितिन कुमार सिंह, बागपत। युवाओं एवं श्रमिकों के लिए विदेश में सपनों की उड़ान देना आसान होगा। इसके लिए रोजगार मिशन में डीएम की अध्यक्षता में 23 अधिकारियों की कमेटी गठित की गई है। कमेटी में शामिल अधिकारी देश ही नहीं, बल्कि विदेशी कंपनियों में नौकरियों की संभावनाओं का पता लगाकर युवाओं और श्रमिकों को समायोजित कराने का काम करेंगे।

देश तथा विदेश के बदलते परिवेश व रोजगार की आवश्यकताओं के दृष्टिगत प्राइवेट सेक्टर तथा विदेश में रोजगार का अवसर महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभरकर सामने आया है। इन संभावनाओं को देख प्रदेश सरकार ने हाल ही में उग्र रोजगार मिशन का गठन किया। शासन में प्रमुख सचिव श्रम डा. एमके शन्मुगा सुंदरम ने डीएम को कमेटी गठित कर रोजगार मिशन के उद्देश्य की पूर्ति कराने का निर्देश दिया।

डीएम अस्मिता लाल ने अपनी अध्यक्षता में कमेटी गठित की। इसमें एसपी सदस्य, सीडीओ उपाध्यक्ष, जिला रोजगार सहायता अधिकारी सदस्य सचिव, परियोजना निदेशक डीआरडीए, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला उद्यान अधिकारी, कृषि उप निदेशक, उपायुक्त उद्योग, उपायुक्त ग्रामीण आजीविका मिशन परियोजना अधिकारी डूडा, डीआईओएस,

जिले में कई एलानिया कत्ल किए जा चुके

लोगों के जेहन में सवाल कि आखिर कब तक एलानिया कत्ल होंगे ?

नितिन कुमार सिंह, बागपत। जिले में छात्र अंकुश का पहली बार एलानिया हत्या नहीं हुआ है। यहां पर पूर्व में कई एलानिया कत्ल किए जा चुके हैं। पुलिस ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम है।

गांव-गांव में बीट पुलिस अधिकारी तैनात किए गए हैं, ताकि छोटी से छोटी घटना का पता चल सके, लेकिन यह व्यवस्था सिर्फ फाइलों में चल रही है धरातल पर नहीं।

पुलिस को अक्सर घटना होने के बाद ही उनका चलता है, जबकि अचानक से बहुत कम घटना होती है। यदि मामूली विवाद पर ही पुलिस कार्रवाई कर दे तो बड़ी घटना होने की संभावना कम रहती है। लोगों के जेहन में सवाल कि आखिर सीएमओ तथा एलडीएम समेत 23 अधिकारी सदस्य होंगे।

कमेटी की हर माह बैठक होगी। कमेटी रोजगार की संभावनाओं का पता लगाने व युवाओं को रोजगार दिलाने में मदद करेगी।

कब तक एलानिया कत्ल होंगे ?

20 हजार रुपये के लेनदेन के विवाद में युवक सुनील निवासी बागपत की 11 अक्टूबर 2013 को पड़ोस के लोगों ने पीट-पीटकर व गला दबाकर एलानिया हत्या की थी।

बासौली गांव में वर्ष 2020 में चक्की पर आटे को लेकर चक्की स्वामी प्रकाश कश्यप व राजवीर तोमर के बीच विवाद हुआ था। भाजपा नेता पदम कश्यप के बेटे शेखर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ग्रामीणों की भीड़ ने दो हमलावर युवक सचिन निवासी दोघट व किशोर रचित की पीट-पीटकर हत्या की थी।

हिस्ट्रीशीटर पंकज राठी निवासी ग्राम गांगनौली की जनवरी 2024 में दोस्तों ने खेत में गर्दन रेतकर एलानिया कत्ल किया था। वह अपने घर से खेत में बेसहारा गोवंशी से फसल की रखवाली करने के लिए गया था। आरोपित दोघट थाने का हिस्ट्रीशीटर था।

अब न केवल रोजगार की उम्मीदें पूरी होंगी, बल्कि नौकरी दिलाने और खासकर विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों के जाल में फंसने से युवक एवं श्रमिक बच सकेंगे, क्योंकि इस कमेटी से उन्हें पूरा सहयोग मिलेगा।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग में राज्य विश्वविद्यालयों ने सफलता हासिल की

विद्यार्थियों को पढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जाना विश्वविद्यालयों की बड़ी जिम्मेदारी है।

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क-2025 में विभिन्न श्रेणियों में सफलता हासिल की। इस उपलब्धि पर रविवार को राजभवन में आयोजित संवाद कार्यक्रम राज्यपाल ने कुलपतियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई देते कहा कि यह उपलब्धि शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार का प्रमाण है।

उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि विद्यार्थियों को पढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जाना विश्वविद्यालयों की बड़ी जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को सतत गतिशील रहकर संसाधनों का सहयोगी उपयोग करना होगा। उन्होंने प्रतियोगिताओं और गतिविधियों पर जोर देते हुए कहा कि इन्हीं से युवाओं की छुपी प्रतिभा और नवाचार सामने आते हैं।

उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश

दिया कि विश्वविद्यालय छात्रों की प्रगति के आंकड़े नियमित रूप से संकलित करें और नैक रैंकिंग पर भी विशेष ध्यान दें। एनआईआरएफ-2025 में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय रैंकिंग में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर 68वें, लखनऊ विश्वविद्यालय 98वें स्थान पर रहा, जबकि डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय 151-200 बैंड में रहा।

राज्य विश्वविद्यालय श्रेणी में एमएमएमयूटी गोरखपुर 23वें, लखनऊ विश्वविद्यालय 27वें, किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी 29वें और सीसीएसयू मेरठ 41वें स्थान पर रहे। इसके अलावा आगरा विश्वविद्यालय, हरकोर्ट बटलर विश्वविद्यालय और गोरखपुर विश्वविद्यालय 51-100 बैंड में शामिल रहे।

अपर मुख्य सचिव डा. सुधीर महादेव बोबडे और विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डा. पंकज एल जानी ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद लैब से लैंड और लैंड से लैब की अवधारणा पर चलते हुए प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। कुलपतियों ने आश्वासन दिया कि सामूहिक प्रयासों से यूपी के विश्वविद्यालय आगे भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई मिसाल कायम करेंगे।

कोशिश करो

तैयार रहो

सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन



पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध

प्रधान कार्यालय: निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101

Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 9837749557-9528068491



संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें। स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।

(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे
तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा



सुभाष चंद कश्यप पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा 2014

सम्पादकीय.....

उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीखें नजदीक

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की तारीखें नजदीक आ गई हैं। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसी बीच, ढुस्करू के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इंडिया ब्लॉक का साथ देने का एलान किया है। ओवैसी का कहना है कि वो और उनकी पार्टी इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी.सुदर्शन रेड्डी को अपना वोट देंगे।

ओवैसी का दावा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उनसे इंडिया ब्लॉक का साथ देने की गुजारिश की है। सुदर्शन रेड्डी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस हैं, जो ह्छ उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को टक्कर देंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए ओवैसी ने लिखा, तेलंगाना के सीएम कार्यालय ने आज मुझे बात की और उपराष्ट्रपति चुनाव में जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की गुजारिश की। जस्टिस रेड्डी हैदराबादी होने के साथ-साथ माननीय न्यायाधीश रहे हैं। इसलिए, ढुस्करू उन्हें समर्थन देने को तैयार है। मैंने जस्टिस रेड्डी से बात करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

विपक्ष ने 19 अगस्त को बी.सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनके नाम का एलान करते हुए इस चुनाव को विचारधारा का युद्ध बताया था।

बी.सुदर्शन रेड्डी आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने के बाद गुवाहाटी हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश रहे हैं। 2007 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बनाया गया था। वहीं, 2011 में वो रिटायर हुए थे।

प्लेटफार्म शुल्क में वृद्धि से आनलाइन खाना मंगाना महंगा

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। देश में त्योहारी मौसम से पहले जोमैटो, स्विगी और मैजिकपिन की ओर से प्लेटफार्म शुल्क में वृद्धि से आनलाइन खाना मंगाना महंगा हो सकता है। 22 सितंबर से डिलिवरी चार्ज पर 18 प्रतिशत जीएसटी लागू होने से और बढ़ सकता है।

स्विगी ने कुछ बाजारों में अपना प्लेटफार्म शुल्क जीएसटी सहित 15 रुपये कर दिया है। जोमैटो ने अपने शुल्क को

बढ़ाक 12.50 रुपये कर दिया है। मैजिकपिन ने प्रति आर्डर 10 रुपये शुल्क निर्धारित किया है। अनुमान बताते हैं कि 22 सितंबर से जोमैटो उपयोगकर्ताओं पर लगभग 2 रुपये और स्विगी ग्राहकों पर 2.6 रुपये का ओर बोझ पड़ सकता है।

मैजिकपिन के प्रवक्ता का कहना है कि वह पहले ही फूड डिलिवरी लागत पर 18 प्रतिशत जीएसटी चुका रहा है। हालिया परिवर्तन से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

शिक्षक संघ ने लंबी लड़ाई के लिए कमर कसी

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। नौकरी में बने रहने के लिए टीईटी की अनिवार्यता के मामले में शिक्षक संघ ने लंबी लड़ाई के लिए कमर कस ली है। शिक्षकों को राहत दिलाने के लिए अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ सरकार पर नियम कानून में संशोधन करने का दबाव बनाएगा। शिक्षक संघ मांग करेगा कि जिन शर्तों पर नियुक्ति हुई थी उन्हीं पर उनकी नौकरी जारी रहनी चाहिए और उसी पर उन्हें प्रोन्नति मिलनी चाहिए।

नियुक्ति के समय टीईटी जरूरी नहीं था तो अब इसे अनिवार्य नहीं किया जा सकता। सरकार पर राहत देने का दबाव बनाने के साथ-साथ शिक्षक संघ ने कानूनी विकल्प भी तलाशने शुरू कर दिए हैं और वकीलों से विचार विमर्श चल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने गत एक सितंबर को दिए फैसले में कहा है कि कक्षा एक से कक्षा आठ तक को पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को दो वर्ष के भीतर टीईटी परीक्षा पास करनी होगी।

इसमें नाकाम रहने वालों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी जाएगी। प्रोन्नति के लिए भी टीईटी पास करना अनिवार्य है। सिर्फ जिनकी नौकरी पांच वर्ष से कम बची है उन्हें टीईटी से छूट है लेकिन प्रोन्नति पाने के लिए उन्हें भी टीईटी पास करना होगा।

कोर्ट का आदेश पूरे देश के लिए है।

आदेश से शिक्षकों में हड़कंप है क्योंकि देश भर में लाखों शिक्षक हैं जिन्होंने टीईटी नहीं किया है। 2011 से पहले नियुक्त हुए शिक्षकों की नौकरी पर तलवार लटक गई है।

शिक्षकों की नौकरी पर संकट को देखते हुए अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ सक्रिय हो गया है। इसका हल ढूंढने और वकीलों से विचार विमर्श के लिए संघ के अध्यक्ष सुशील पांडेय, सचिव मनोज कुमार सहित विभिन्न राज्यों से कई शिक्षक नेता दिल्ली आए हुए हैं।

सुशील पांडेय कहते हैं कि शिक्षक संघ टीईटी अनिवार्य करने के कोर्ट के फैसले से राहत के लिए सरकार से बात करेगा और दबाव बनाएगा। संघ का कहना है कि जो शिक्षक पहले भर्ती हुए थे, वे उस समय के नियमों और सेवा शर्तों के साथ नियुक्ति हुए थे। उनका अधिकार है कि उनकी नौकरी उन्हीं सेवा शर्तों के मुताबिक जारी रहे और उसी पर उन्हें प्रोन्नति दी जाए। उनकी नियुक्ति के समय टीईटी अनिवार्य नहीं था तो अब उसे अनिवार्य नहीं किया जा सकता।

कोर्ट का आदेश आया है ऐसे में संघ राज्य सरकारों से और केंद्र से मांग करेगा कि वे नियम कानूनों में संशोधन कर ये घोषित करें कि जिन नियमों और सेवा शर्तों के तहत शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी,

स्कूलों का जोर जिसे करने में बच्चों का ज्यादा समय न लगे

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। स्कूलों में होमवर्क के नाम पर बच्चों को दिए जानेवाले भारी भरकम कामों के दिन लदने लगे हैं। स्कूलों का जोर इस तरह के होमवर्क पर है, जिसे करने में बच्चों का ज्यादा समय न लगे और उनको खुशी भी मिले। साथ ही साथ कुछ नया सीखकर उस पर अमल करने के लिए बच्चों को रचनात्मक कामों में भी लगाने पर स्कूलों ने फोकस बढ़ा दिया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक भारी भरकम होमवर्क से बच्चों की रचनात्मकता खत्म होने लगी थी। छात्रों को मिलनेवाले भारी भरकम होमवर्क को लेकर पूरे देश में चिंता जताई जाती थी। 2018 में वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी भारतीय छात्रों को दैनिक

फिल्मी अंदाज में दो कैदी जेल से फरार दोबारा गिरफ्तार

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में चोडावरम उप-जेल में फिल्मी अंदाज में दो कैदी जेल अधिकारी पर हथौड़े से हमला कर फरार हो गए। पुलिस ने त्वरित एक्शन दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर दोनों को दोबारा गिरफ्तार कर लिया।

मामला, 5 सितंबर 2025 का है, जब दो कैदियों ने जेल अधिकारी पर हमला किया और जेल से फरार हो गए। दोनों कैदियों की पहचान नक्का रवि कुमार और बेजवाड़ा रामू (26) के रूप में हुई है। दोनों ने हेड वार्डर वासा वीरराजू पर लोहे के हथौड़े से हमला करने के बाद उप-जेल से भाग गए।

होमवर्क मिलता है, जबकि सीखने में कोई खास फायदा नहीं होता। साथ ही छात्रों का तीन से चार घंटे का कीमती समय होमवर्क करने में चला जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि होमवर्क की अवधारणा में यह बदलाव आंशिक रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से प्रेरित है। इसमें छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने और गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। कई राज्य बोर्डों और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और प्रयोग की गुंजाइश हो।

बच्चों की रचनात्मक सोच, विश्लेषण और सूचनाओं की विवेचना को बढ़ावा देने पर जोर है। स्कूलों की कोशिश है कि

हमलावरों ने कथित तौर पर उनकी चाबियां छीन लीं, एक मोबाइल फोन चुरा लिया और जेल से भाग गए।

जेल ब्रेक के 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी अनकापल्ली जिला पुलिस ने तुरंत बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया और पूरे क्षेत्र में तलाशी शुरू कर दिया। उनकी मेहनत अगली शाम रंग लाई जब विशाखापत्तनम सिटी टास्क फोर्स पुलिस ने विशाखापत्तनम के गोड्डालापलेम जंक्शन के पास दोनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस जांच से जेल ब्रेक की साजिश का खुलासा हुआ है। अधिकारियों ने पता

मेडिकल छात्रों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किया जाए तैनात

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने निर्देश दिया है कि पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल छात्रों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया जाए। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब कई उत्तरी राज्य निरंतर बारिश के कारण प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं।

आयोग द्वारा शनिवार को जारी एक सर्कुलर के अनुसार, उत्तरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बाढ़ या आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल छात्रों की तैनाती को जिला रेजिडेंसी कार्यक्रम प्रशिक्षण का हिस्सा माना जाएगा। यह डीआरपी छात्रों को क्षेत्र स्तर पर लोगों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करता है।

बाढ़ आपदा जैसी स्थितियों के मद्देनजर, स्वास्थ्य पेशेवरों की तत्काल आवश्यकता है ताकि राहत कार्यों में सहायता मिल सके। यह पहल न केवल क्षेत्र स्तर पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगी, बल्कि युवा चिकित्सा पेशेवरों को आपदा प्रतिक्रिया, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन और सामुदायिक सेवा में महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी देगी।

गृह मंत्रालय ने भी उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की अपील की है, और कई पोस्ट ग्रेजुएट डाक्टरों ने अपनी सेवाएं देने की इच्छा व्यक्त की है। आयोग ने इस अवसर

बच्चों को होमवर्क में ही डुबोए न रखा जाए और घर पर करने के लिए कम से कम काम दिया जाए।

दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी जैन का कहना है कि आज ज्यादातर स्कूल प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं, बच्चों को प्रस्तुतिकरण तैयार करने और यहां तक कि सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं।

पिछले दिनों, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें शिक्षकों को छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था ताकि मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल को प्रेरणा मिल सके।

चला कि जेल से भागने की साजिश तीसरे रिमांड कैदी, येका स्वामी ने रची थी, जिस पर अब इस साजिश में मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।

www.kesharidarpan.com

पर रजिस्टर/लॉगिन करे।



सम्पादक सुभाष चंद

9837749557

पूर्व प्रधानमंत्री के पोते को जेल में 522 रुपये मिलेंगे

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को जेल में लाइब्रेरियन क्लर्क का जिम्मा सौंपा गया है। प्रज्वल की जिम्मेदारी साथी कैदियों को किताबें देना और उधार ली गई किताबों का रिकॉर्ड रखना है।

प्रज्वल रेवन्ना परप्पना अग्रहारा जेल में बंद हैं। एक जेल अधिकारी के मुताबिक, प्रज्वल रेवन्ना को अपनी दैनिक जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए हर दिन के 522 रुपये मिलेंगे। बता दें कि जेल के नियमों के मुताबिक, आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों को किसी न किसी प्रकार का श्रम करना पड़ता है।

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते और वरिष्ठ जद (एस) नेता और होलेनरसीपुरा के विधायक एच डी रेवन्ना के बेटे रेवन्ना को हाल ही में उनके खिलाफ दर्ज बलात्कार के एक मामले में ट्रायल कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

नोट: पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं, सम्पादक का इन लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादक: सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादक: डा. प्रवीण कुमार, (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)